समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Wednesday, 02 September 2026

करियर का सही चुनाव, उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव—Dr. Amit Ajmera की SeedhaCareer पहल से विद्यार्थियों को मिल रही नई दिशा

Sanket Morankar

Published on 02 Sep 2026

आज के प्रतिस्पर्धात्मक दौर में विद्यार्थियों के सामने करियर के विकल्प पहले की तुलना में कहीं अधिक हैं। मेडिकल और इंजीनियरिंग जैसे पारंपरिक क्षेत्रों से लेकर मैनेजमेंट, टेक्नोलॉजी, डिजाइन, रिसर्च, डिजिटल और अन्य नए क्षेत्रों तक अवसरों का दायरा लगातार बढ़ रहा है। लेकिन विकल्पों की यह बढ़ती संख्या कई बार विद्यार्थियों और अभिभावकों के सामने एक अहम सवाल खड़ा करती है—**आखिर विद्यार्थी के लिए सही करियर कौन-सा है ?**

इसी सवाल का वैज्ञानिक और व्यक्तिगत दृष्टिकोण से समाधान खोजने की दिशा में **Dr. Amit Ajmera की SeedhaCareer पहल** कार्य कर रही है। SeedhaCareer का उद्देश्य विद्यार्थियों को केवल करियर विकल्पों की जानकारी देना नहीं, बल्कि उनकी क्षमता, रुचि, सीखने की शैली और व्यक्तिगत झुकाव को समझते हुए उन्हें भविष्य के लिए उपयुक्त दिशा चुनने में सहायता करना है।

करियर काउंसलिंग को सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का प्रयास

Dr. Amit Ajmera के अनुसार करियर काउंसलिंग को केवल एक व्यावसायिक सेवा के रूप में देखने के बजाय विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण से जोड़ना आवश्यक है। इसी सोच के साथ SeedhaCareer के माध्यम से मराठवाड़ा के विद्यार्थियों तक गुणवत्तापूर्ण, वैज्ञानिक और निष्पक्ष करियर मार्गदर्शन पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है।

आज कई विद्यार्थी अपने करियर का चुनाव मित्रों, रिश्तेदारों या सामाजिक अपेक्षाओं के प्रभाव में करते हैं। कई बार किसी विशेष क्षेत्र को प्रतिष्ठित या लोकप्रिय मानकर विद्यार्थी उसमें प्रवेश तो ले लेते हैं, लेकिन बाद में उन्हें अपनी वास्तविक रुचि और क्षमता के बीच अंतर महसूस होता है। ऐसे मामलों में समय पर मिलने वाला करियर मार्गदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

SeedhaCareer की पहल इसी शुरुआती स्तर पर विद्यार्थियों को स्वयं को समझने और उपलब्ध विकल्पों पर विचार करने के

लिए प्रोत्साहित करने पर केंद्रित है।

ऑर्थोडॉन्टिस्ट और प्रोफेसर से करियर मार्गदर्शक तक का सफर

Dr. Amit Ajmera का पेशेवर अनुभव ऑर्थोडॉन्टिस्ट और प्रोफेसर के रूप में रहा है। चिकित्सा एवं शिक्षा के क्षेत्र में काम करते हुए विद्यार्थियों के साथ संवाद और उनके शैक्षणिक भविष्य से जुड़े विषयों को करीब से समझने का अवसर उन्हें मिला।

इसी अनुभव के साथ करियर काउंसलिंग के प्रति उनकी रुचि ने SeedhaCareer की अवधारणा को जन्म दिया। उनका प्रयास विद्यार्थियों को केवल किसी एक पेशे की ओर निर्देशित करने के बजाय उन्हें अपने व्यक्तित्व और क्षमताओं के अनुरूप संभावनाओं को समझने में सहायता करना है।

एक ओर जहां ऑर्थोडॉन्टिस्ट के रूप में लोगों के चेहरे पर आत्मविश्वासपूर्ण मुस्कान लाने का कार्य किया जाता है, वहीं SeedhaCareer के माध्यम से विद्यार्थियों के भविष्य को लेकर स्पष्टता और आत्मविश्वास पैदा करने का प्रयास किया जा रहा है।

“हर विद्यार्थी अलग है”—SeedhaCareer की मूल सोच

SeedhaCareer की कार्यपद्धति का एक प्रमुख आधार है कि **हर विद्यार्थी की अपनी अलग क्षमता और पहचान होती है।**

किसी विद्यार्थी की रुचि विज्ञान में हो सकती है, तो किसी की कला, प्रबंधन, तकनीक या किसी अन्य क्षेत्र में। इसी तरह प्रत्येक विद्यार्थी की सीखने की गति और शैली भी अलग होती है। ऐसे में सभी विद्यार्थियों के लिए एक समान करियर मार्गदर्शन प्रभावी नहीं हो सकता।

SeedhaCareer में विद्यार्थी की **क्षमता, रुचि, सीखने की शैली और व्यक्तिगत झुकाव** को ध्यान में रखते हुए करियर की दिशा समझने का प्रयास किया जाता है। इसका उद्देश्य विद्यार्थी को यह समझने में सहायता करना है कि उसकी व्यक्तिगत विशेषताओं के अनुरूप कौन-से क्षेत्र उसके लिए बेहतर संभावनाएं प्रस्तुत कर सकते हैं।

यह दृष्टिकोण विद्यार्थियों को केवल “कौन-सा करियर अच्छा है?” पूछने के बजाय “**मेरे लिए कौन-सा करियर सही है?**” इस महत्वपूर्ण प्रश्न पर विचार करने के लिए प्रेरित करता है।

विद्यार्थी और अभिभावकों के बीच संवाद को महत्व

करियर का निर्णय केवल विद्यार्थी के जीवन को प्रभावित नहीं करता, बल्कि पूरे परिवार के लिए महत्वपूर्ण होता है। कई बार अभिभावक अपने अनुभव और अपेक्षाओं के आधार पर किसी विशेष करियर को बेहतर मानते हैं, जबकि विद्यार्थी की रुचि किसी अन्य क्षेत्र में होती है।

ऐसी स्थिति में संवाद का अभाव विद्यार्थी के लिए मानसिक दबाव और निर्णय को लेकर भ्रम पैदा कर सकता है। SeedhaCareer विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच **विश्वास, संवाद और समझ** को मजबूत करने की दिशा में भी काम करता है।

इस पहल के माध्यम से करियर चयन को दबाव के बजाय एक संयुक्त प्रक्रिया बनाने पर जोर दिया जाता है, जिसमें विद्यार्थी अपनी आकांक्षाओं को व्यक्त कर सके और अभिभावक उसकी क्षमता एवं रुचियों को बेहतर तरीके से समझ सकें।

आठवीं कक्षा से करियर मार्गदर्शन की सोच

करियर काउंसलिंग को आमतौर पर 10वीं या 12वीं के बाद की आवश्यकता माना जाता है। लेकिन SeedhaCareer का दृष्टिकोण इससे थोड़ा अलग है। यहां **आठवीं कक्षा से ही करियर मार्गदर्शन शुरू करने** की अवधारणा पर जोर दिया जाता है।

इस उम्र में विद्यार्थियों में अपनी रुचियों और क्षमताओं को पहचानने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। यदि उन्हें सही समय पर विभिन्न शैक्षणिक एवं करियर विकल्पों की जानकारी और उचित मार्गदर्शन मिले, तो वे भविष्य के निर्णयों के लिए अधिक तैयार हो सकते हैं।

आठवीं कक्षा से मार्गदर्शन का उद्देश्य विद्यार्थी पर किसी विशेष करियर का दबाव डालना नहीं है। बल्कि इसका उद्देश्य उसे पर्याप्त समय देना है, ताकि वह अपनी रुचियों और क्षमताओं को समझ सके तथा आगे की पढ़ाई और करियर को लेकर अधिक जागरूक निर्णय ले सके।

मराठवाड़ा में करियर जागरूकता की आवश्यकता

मराठवाड़ा में शिक्षा के क्षेत्र में लगातार नए अवसर विकसित हो रहे हैं। इसके बावजूद विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच उपलब्ध करियर विकल्पों और बदलते रोजगार परिदृश्य को लेकर जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता बनी हुई है।

ऐसे वातावरण में व्यक्तिगत करियर मार्गदर्शन विद्यार्थियों को उपलब्ध अवसरों को समझने में सहायता कर सकता है। SeedhaCareer का फोकस इसी आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों तक व्यवस्थित और व्यक्तिगत करियर काउंसलिंग पहुंचाने पर है।

भविष्य की ओर आत्मविश्वास से बढ़ने की पहल

करियर का चुनाव विद्यार्थी के जीवन के महत्वपूर्ण निर्णयों में से एक होता है। गलत जानकारी, सामाजिक दबाव या दूसरों की नकल के बजाय यदि विद्यार्थी अपनी क्षमता और रुचि को समझकर निर्णय ले, तो उसके भविष्य की दिशा अधिक स्पष्ट हो सकती है।

Dr. Amit Ajmera की SeedhaCareer पहल इसी सोच को आगे बढ़ाने का प्रयास कर रही है। इसका लक्ष्य विद्यार्थियों को केवल करियर चुनने में मदद करना नहीं, बल्कि उन्हें **अपने बारे मे समझ विकसित करने, विकल्पों का मूल्यांकन करने और अपने भविष्य को लेकर आत्मविश्वास के साथ निर्णय लेने** के लिए तैयार करना है।

आज जब करियर की दुनिया तेजी से बदल रही है, ऐसे समय में सही जानकारी के साथ सही दिशा का महत्व और भी बढ़ जाता है। SeedhaCareer के माध्यम से Dr. Amit Ajmera द्वारा की जा रही यह पहल विद्यार्थियों और अभिभावकों के बीच करियर को लेकर जागरूकता, संवाद और बेहतर निर्णय लेने की संस्कृति विकसित करने की दिशा में एक सकारात्मक कदम के रूप में सामने आती है।

सही करियर का चुनाव केवल एक निर्णय नहीं, बल्कि उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव है।

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.